जागृति

वर्ष:67 अंक-09 मुम्बई अगस्त 2023

माननीय केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री और केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश में खादी ग्रामोद्योग कारीगरों को आजीविका उपार्जन में मदद करने के लिए टूल्स किट व उपकरण प्रदान किए

आयोग के अध्यक्ष ने अमलारेम, मेघालय के किसानों को मधुमक्खी कालोनियों और टूल किट के साथ 200 मधुमक्खी बक्से वितरित किए

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

वर्ष:67 अंक-9 मुम्बई अगस्त 2023

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

कलाकार
दिलीप पालकर

उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-23

दिल्ली के उपराज्यपाल ने 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत 130 लाभार्थियों को मधुमक्खी बक्से और टूलकिट वितरित किए..... 3

केवीआईसी के वितरण कार्यक्रम के तहत, पारंपरिक कारीगरों को उनकी आय और रोजगार बढ़ाने के लिए आधुनिक मशीनें और उपकरण प्रदान किए गए.....5

आयोग के अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल में केवीआईसी के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया.....9

आयोग ने हनी मिशन के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को 400 बी-बॉक्सों का वितरण कर देश के वीर सैनिकों को याद किया.....12

आत्मनिर्भर भारत अभियान' के लिए केन्द्रीय पूनी संयंत्रों का आधुनिकीकरण हो रहा है.....14

पीएमईजीपी योजना एवं ग्रामोद्योग विकास योजना-युवाओं के लिए रोजगार का सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरी है.....15

विद्युत चालित कुम्हारी चाक और लेदर टूलकिट का वितरण.....18

सेवापुरी, वाराणसी में आयोग की 698वीं बैठक आयोजित 20

आयोग के अध्यक्ष ने खादी ग्रामोद्याग गतिविधियों की समीक्षा के लिए झारखंड राज्य का दौरा किया.....21

हाथ से बुने खादी के राष्ट्रीय झंडे.....22

खादी उत्पादन पर मूल्य वृद्धि का प्रभाव.....23

दिल्ली के उपराज्यपाल ने 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत 130 लाभार्थियों को मधुमक्खी बक्से और टूलकिट वितरित किए

दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने 4 जुलाई, 2023 को 130 लाभार्थियों को मधुमक्खी बक्से और टूलकिट वितरित किए। इस कार्यक्रम का आयोजन खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, राज्य कार्यालय, दिल्ली, भारत सरकार की 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत किया गया।

दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने 4 जुलाई, 2023 को 130 लाभार्थियों को मधुमक्खी बक्से और टूलकिट वितरित किए। इस कार्यक्रम का आयोजन खादी और ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, राज्य कार्यालय, दिल्ली, भारत सरकार की 'ग्रामोद्योग विकास योजना' के तहत किया गया।

यह समारोह चैनसुख वाटिका, यमुना पुस्ता रोड, जगतपुर गांव में सम्पन्न हुआ। इसमें दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद श्री मनोज तिवारी, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार, केवीआईसी के उत्तरी क्षेत्र के सदस्य श्री नागेंद्र रघुवंशी, केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनीत कुमार,

दिल्ली केवीआईसी राज्य कार्यालय के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री विनय कुमार सक्सेना ने ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसर सृजित करने में खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सहयोग से 2017 में केवीआईसी द्वारा शुरू किए गए हनी मिशन की सफलता को रेखांकित किया। अब तक, 20 हजार किसानों और मधुमक्खी पालकों को 2 लाख से अधिक मधुमक्खी बक्से और शहद कालोनियां वितरित की गई हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए रास्ते खुले हैं और किसानों की आय में वृद्धि हुई है। श्री सक्सेना ने केवीआईसी के माध्यम से दिल्ली के गांवों में खादी और ग्रामोद्योग विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूती प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सांसद श्री मनोज तिवारी ने अपने संबोधन में अपने निर्वाचन क्षेत्र में युवाओं को लघु एवं कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग

के साथ सहयोग करने की मंशा व्यक्त की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोग द्वारा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में किये जा रहे ऐतिहासिक कार्यों की प्रशंसा की। श्री तिवारी ने इस बात पर जोर दिया कि इन पहलों से जुड़कर युवा न केवल अपना रोजगार कर सकते हैं बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसरों का सृजन कर सकते हैं।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने अपने वक्तव्य में सुदृढ़, सक्षम और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा की गई प्रगति की सराहना की। उन्होंने "मेक इन इंडिया" और "मेक फॉर वर्ल्ड" सिद्धांतों के महत्व के साथ-साथ श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रतिपादित "लोकल टू ग्लोबल" के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। श्री कुमार ने कहा कि "आत्मनिर्भर भारत" अभियान के तहत केवीआईसी ग्रामीण भारत में रोजगार के नए साधन उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में केवीआईसी ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। इस दौरान यहां 1.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ, जो इसके 66 साल के इतिहास में सर्वाधिक है।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) के तहत 10 लाभार्थियों को 100 मधुमक्खी-बक्से और मधुमक्खी-कॉलोनी वितरित किए गए, जबकि 20 प्रशिक्षित लाभार्थियों को प्लंबर टूलकिट और 50 लाभार्थियों को फुटवियर रिपेयरिंग टूलकिट प्रदान किए गए। इससे दिल्ली के जगतपुर गांव के 35 लाभार्थियों को लाभ हुआ। इसके अतिरिक्त, चमड़ा उद्योग के अंतर्गत एक स्व-सहायता समूह को चमड़े के जूते बनाने की मशीन और टूलकिट प्रदान किए गए, जिससे 10 लाभार्थियों को लाभ हुआ। इसके अलावा, मल्टी डिस्प्लेनरी ट्रेनिंग सेंटर (एमडीटीसी), केवीआईसी नई दिल्ली में लेदर फुटवियर में प्रशिक्षित 40 प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

◆◆◆

केवीआईसी ने वितरण कार्यक्रम के तहत, पारंपरिक कारीगरों को उनकी आय और रोजगार बढ़ाने के लिए आधुनिक मशीनें और उपकरण प्रदान किए

लखनऊ, 20 जुलाई, 2023: केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री, श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कल उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 340 लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील, पैडल संचालित अगरबत्ती मशीनें, मोटर चालित अगरबत्ती मशीनें और टर्नवुड क्राफ्ट मशीनों का वितरण किया। राज्य कार्यालय, केवीआईसी, लखनऊ द्वारा ग्राम विकास योजना के अंतर्गत ग्राम स्वावलंबी विद्यालय, रानीवा में आयोजित इस वितरण कार्यक्रम का आयोजन श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, श्री लल्लू सिंह, सांसद, अयोध्या और लखनऊ और गोरखपुर मंडल कार्यालय के लाभार्थियों की उपस्थित में किया गया। अयोध्या के महापौर श्री गिरीशपति त्रिपाठी और केवीआईसी (उत्तरी क्षेत्र) के सदस्य श्री नागेंद्र रघुवंशी ने भी इस वितरण कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने कहा कि एमएसएमई

क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में एक तिहाई योगदान देता है और देश के 12 करोड़ से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई क्षेत्र शानदार काम कर रहा है। श्री वर्मा ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने ग्रामीण भारत में रोजगार सृजन के क्षेत्र में पिछले नौ वर्षों में ऐतिहासिक काम किया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग सभी गांवों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले वित्त वर्ष में इतिहास रचते हुए खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का कारोबार 1.34 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केवीआईसी ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत भारतीय पारंपरिक उद्योगों के श्रमिकों को उपकरण और मशीनरी का वितरित किया जा रहा है, पारंपरिक उद्योगों के श्रमिकों की आय में वृद्धि करने से उनके जीवन स्तर में व्यापक सुधार होगा।

अब तक पूरे देश में कुम्हारों के बीच 25,000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक व्हील सेट का वितरण किया गया है, जिससे उनकी आय में तीन से चार गुना की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार 20 हजार मधुमक्खी पालकों के बीच 2 लाख से ज्यादा मधुमक्खी बक्से और मधुमक्खी कॉलोनियां वितरित की गई है। मधुमक्खी पालन से किसानों की उपज में 25 से 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व देश एक मजबूत, आत्मनिर्भर राष्ट्र बन रहा है और यह विश्व के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि हमें "मेक इन इंडिया" के साथ-साथ "मेक फॉर वर्ल्ड" के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा, तभी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का "लोकल टू ग्लोबल" विजन साकार होगा।

इस अवसर पर अयोध्या के सांसद, लल्लू सिंह ने केवीआईसी द्वारा लागू ग्राम विकास योजना की सराहना करते हुए कहा कि इन योजनाओं से जुड़कर हमारे पारंपरिक कारीगर स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं।

अयोध्या के महापौर, श्री गिरीशपति त्रिपाठी ने लोगों से खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा उत्पादित स्वदेशी उत्पादों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने की अपील की जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके।

वितरण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, सीतापुर, लखनऊ, जालौन, झांसी, मऊ और आजमगढ़ के 260 कुम्हारों को इलेक्ट्रिक व्हील और कानपुर देहात के 20 श्रमिकों को अगरबत्ती बनाने की मशीन वितरित की गई। साथ ही लखमीपुर खीरी, संत कबीर नगर और आजमगढ़ के 60 श्रमिकों को टर्नवुड क्राफ्ट मशीनें प्रदान की गई।

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार और केवीआईसी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। ◆◆◆

आयोग के अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल में केवीआईसी के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया

आजादी का अमृत महोत्सव की वर्षगांठ मनाते हुए, केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित अपनी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। 12 जुलाई 2023 को केवीआईसी के कल्याणी, पश्चिम बंगाल स्थित बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र (एमडीटीसी) के अपने दौरे पर, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने विभिन्न खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रमों की अध्यक्षता की और इस अवसर पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को सफल बनाना है।

आयोग के माननीय अध्यक्ष ने एमडीटीसी, कल्याणी के सफल प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुशल उद्यमियों के लिए क्षेतिज आकाश ही है। माननीय अध्यक्ष ने बताया कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, केवीआईसी, देश में खादी ग्रामोद्योग एवं विभिन्न योजनाओं के तहत स्थापित इकाइयों के माध्यम से स्व-स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करके और खादी

ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन करके भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान दे रहा है। उन्होंने दोहराया कि जो लोग पहले ही प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं उन्हें स्वरोजगार के लिए अपना उद्यम स्थापित करना चाहिए और दूसरों को रोजगार के अवसर प्रदान करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि केवीआईसी उद्यम स्थापित करने के लिए बैंकों के माध्यम से वित्तीय सहायता एवं प्रशिक्षण सहायता प्रदान कर रहा है और सेल्स आउटलेट्स, प्रदर्शनियों के साथ-साथ अन्य साधनों के माध्यम से उद्यमियों को उत्पादों की बिक्री के अवसर प्रदान कर उन्हें समर्थन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि केवीआईसी, हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी के "आत्मनिर्भर भारत"के विजन को कार्यांवित करने के लिए कार्य कर रहा है।।

इस अवसर पर उन्होंने ब्यूटीशियन कोर्स के सफल प्रशिक्षण के बाद 18 प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किये और परिधान निर्माण के लिए 5 प्रशिक्षुओं के एक बैच का उद्घाटन किया और एमडीटीसी कल्याणी में 15 लाभार्थियों के लिए ब्यूटीशियन के प्रशिक्षण के एक बैच का उद्घाटन किया, जो केवीआईसी के विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों में से एक है और ब्यूटीशियन, सिलाई, फाइबर आकर्षण वस्तुएं एवं मधुमक्खी पालन और कई अन्य पाठ्यक्रम जैसे टेक्सटाइल वेट प्रसंस्करण, अगरबत्ती, ताडगुड़ उत्पाद, डिटर्जेंट और फिनाइल बनाना, वर्मी कम्पोस्ट, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि खाद्य प्रसंस्करण के लिए राज्य में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। फाइबर फैंसी आर्टिकल्स ट्रेनिंग कोर्स बैच, टेलरिंग कोर्स बैच और ब्यूटीशियन कोर्स बैच एक महीने की अवधि के लिए दिनांक 12.07.2023 से शुरू हुआ।

लाभार्थियों को संबोधित करते हुए माननीय अध्यक्ष ने कहा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री के समर्थन के कारण खादी क्षेत्र का उत्पादन और बिक्री हर साल बढ़ रही है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से खादी बिक्री दुकानों से कम से कम एक खादी कपड़ा, एक रूमाल खरीदकर खादी को बढ़ावा देने का आग्रह किया ताकि हमारे स्पिनरों और बुनकरों की आजीविका का समर्थन किया जा सके।

उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार के साथ-साथ दूसरों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए अपना स्वयं का व्यवसायिक उद्यम स्थापित करने के हेतु खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रशिक्षुओं से एमडीटीसी, कल्याणी द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाने का भी आग्रह किया ताकि अन्य जरूरतमंद व्यक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रमों का लाभ उठा सकें।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि पीएमईजीपी ने देश के युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अभियान से जोड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह योजना पीएम मोदी के 'नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी प्रदाता बनने' के सपने को पूरा करती है।

इस योजना के तहत 2022-23 के दौरान 2126 नई परियोजनाएं स्थापित करके कुल 17008 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं, जिसमें कुल 7408.95 रुपये मार्जिन मनी सब्सिडी वितरण शामिल है। इतना ही नहीं, 80% से अधिक इकाइयाँ ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित की जाती हैं, जिनमें से 50% से अधिक इकाइयाँ SC, ST और महिला उद्यमियों के स्वामित्व में हैं।

इतना ही नहीं राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2022-23 के दौरान 85167 इकाइयों की स्थापना की गयी है जिसमें 9.37 लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये हैं।

अपने भाषण में, अध्यक्ष ने एमडीटीसी कल्याणी और राज्य कार्यालय कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, डीआईसी, कॉयर बोर्ड से आग्रह किया कि वे राज्य में इस तरह के और अधिक प्रशिक्षण प्रदान करने और आने वाले दिनों में बेरोजगार युवाओं की मदद के लिए स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर पैदा करने के लिए आगे आएं।

बाद में, आयोग के अध्यक्ष महोदय ने राज्य विस्तार मधुमक्खी पालन योजना के तहत शहद मधुमक्खी पालन के माध्यम से जैव-विविधता के विकास के लिए एमडीटीसी कल्याणी परिसर में पौधे भी लगाए।

◆◆◆

'कारगिल विजय दिवस'

आयोग ने हनी मिशन के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को 400 बी-बॉक्सों का वितरण कर देश के वीर सैनिकों को याद किया

'कारगिल विजय दिवस' के अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने हनी मिशन के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को 400 बी-बॉक्सों का वितरण कर देश के वीर सैनिकों को याद किया। माननीय अध्यक्ष खादी और ग्रामोद्योग आयोग श्री मनोज कुमार ने देश के पश्चिमी छोर मुंबई से वर्चुवल माध्यम से देश के सबसे पूर्वी छोर और चीन सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश के नामसाई

'कारगिल विजय दिवस'

(Namsai) जिले के एनथम (Enthem) गांव की 40 आदिवासी महिला मधुमक्खी पालकों को 400 बी-बॉक्स और बी-कॉलोनी का वितरण किया। ऑनलाइन माध्यम से मधुमक्खी पालकों को संबोधित करते हुए सबसे पहले श्री मनोज कुमार ने कारगिल युद्ध के वीर सपूतों को याद किया।

उन्होंने कहा कि एक तरफ देश के जांबाज सैनिक मां भारती की सुरक्षा में लगे हैं तो दूसरी ओर हमारे मधुमक्खी पालक माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकल टू ग्लोबल अभियान से जुड़ कर भारत को दुनिया में नई पहचान दिला रहे हैं।

उन्होंने मधुमक्खी पालकों से अपील की कि अरूणाचल प्रदेश को ऑर्गेनिक शहद उत्पादन के हब के रूप में स्थापित करें। यहां के शुद्ध शहद की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी मांग हैं। ऑनलाइन वितरण कार्यक्रम में मुंबई और अरुणाचल प्रदेश के केवीआईसी के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑनलाइन माध्यम से आयोजित वितरण कार्यक्रम में नामसाई जिले के 12 गांव के लाभार्थियों से अध्यक्ष, केवीआईसी ने वर्चुवल माध्यम से बात-चीत की और उन्हें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के हनी मिशन कार्यक्रम से जुड़ने की बधाई दी।

लाभार्थियों ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश का नामसाई जिला प्रदेश का एकमात्र आकांक्षी जिला है। यहां पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रदान किये गए बी-बॉक्सों से आदिवासी समाज को जीविका का नया माध्यम मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी।

लाभार्थी सुमन ने अध्यक्ष केवीआईसी को बताया कि उन्हें 5 दिन की बेसिक ट्रेनिंग देने के साथ ही मधुमक्खियों की देखभाल और शहद उत्पादन से जुड़ी अहम जानकारियां दी गई हैं। इसी तरह से रूपाली गोगोई ने कहा कि मधुमक्खियां हमें शहद के साथ-साथ रायल जैली, मोम और पराग जैसे उत्पाद देती हैं जिसके माध्यम से सालाना लाखों रूपए की अतिरिक्त कमाई हो सकती है।

बता दें इससे पहले माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'लोकल टू ग्लोबल' अभियान को पूर्वोत्तर राज्यों के सुदूर गांवों तक पहुंचाने के लिए केवीआईसी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार मई महीने के दूसरे सप्ताह में अरुणाचल के तवांग जिले के दौरे पर गये थे। यहां पर PMEGP जागरूकता शिविर के साथ ही खादी एरी रेशम प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र (Khadi Eri Silk Training cum Production Centre), मोनपा हस्तनिर्मित कागज निर्माण ईकाई (Monpa Handmade Paper Making Unit) का दौरा करने के साथ ही 20 लाभार्थियों को आचार बनाने की मशीन का वितरण किया था।

जुलाई के द्वितीय सप्ताह में मेघालय दौरे के दौरान दो अलग-अलग कार्यक्रमों में उन्होंने 40 मधुमक्खी पालकों को 400 मधुमक्खी बॉक्स और बी-कॉलोनी का वितरण किया।

◆◆◆

'कारगिल विजय दिवस'

'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के लिए केन्द्रीय पूनी संयंत्रों का आधुनिकीकरण हो रहा है

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के लिए केवीआईसी के केन्द्रीय पूनी संयंत्रों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए, केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 19 जुलाई को रायबरेली में केन्द्रीय पूनी संयंत्र का दौरा किया। इन संयंत्रों में कपास से पूनी बनाई जाती है और चरखे पर पूनी से कई अंक के सूत काते जाते हैं। खादी कपड़े के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों की आजीविका इन्हीं कपड़ों से चलती है। पूनी के प्लांट जितने आधुनिक होंगे, उतना ही उत्पादन बढ़ेगा और खादी कारीगरों को ज्यादा-ज्यादा रोजगार मिलेगा।

'कारगिल विजय दिवस'

पीएमईजीपी योजना एवं ग्रामोद्योग विकास योजना-युवाओं के लिए रोजगार का सबसे सशक्त माध्यम बनकर उभरी है

14 जुलाई, 2023: केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने मेघालय की अपनी यात्रा के दौरान मावलिननॉन्ग, पूर्वी खासी हिल्स, मेघालय में आयोजित "पीएमईजीपी और ग्रामोद्योग विकास योजना (केजीवीवाई) पर जागरूकता शिविर" के माध्यम से केवीआईसी की इन प्रमुख इन योजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी, जिससे स्थानीय लोगों को गांवों में ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की स्थापना कर उनकी आय में वृद्धि की जा सके।

14 जुलाई, 2023: माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मधु क्रांति के आह्वान को मूर्त रूप देने और 2017 में शुरू किए गए हनी मिशन कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए, केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने मेघालय के पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले के अमलारेम के किसानों को सजीव मधुमक्खी कालोनियाँ और टूल किट के साथ 200 मधुमक्खी बक्से वितरित किए।

14 जुलाई: माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में हनी मिशन का नेतृत्व किया और तब से हम अपने कारीगरों को जागरूक करने और उनका समर्थन करने के लिए एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। श्री मनोज कुमार, माननीय अध्यक्ष, केवीआईसी ने श्री सुबीर मराक, माननीय विधायक, रंगसाकोना (पश्चिम गारो हिल्स), मेघालय के साथ ग्रामोद्योग विकास योजना और जीवंत ग्रामोद्योग कार्यक्रमों के तहत प्रधान मंत्री के हनी मिशन कार्यक्रम की परिवर्तनकारी शक्ति के बारे में जानकारी दी।

मेघालय राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा ने केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार का उनकी मेघालय यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री आवास पर स्वागत किया।

इसके बाद माननीय मुख्यमंत्री, मेघालय के साथ एक बैठक हुई, जिसमें पिछले वर्षों के दौरान राज्य में केवीआईसी योजनाओं के प्रदर्शन और आगामी वर्षों में केवीआईसी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना पर रचनात्मक चर्चा हुई।

आयोग के अध्यक्ष का बिहार दौरान

विद्युत चालित कुम्हारी चाक और लेदर टूलकिट का वितरण

गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' में बिहार के 155 नए 'आर्थिक योद्धा' शामिल हुए हैं। केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय के साथ दलसिंहसराय में 60 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 25 लेदर टूलकिट वितरित किए।

आयोग के अध्यक्ष का बिहार दौरा

कुम्हार सशक्तिकरण पहल के तहत जिला समस्तीपुर में अतिरिक्त, मुजफ्फरपुर के 20 कुम्हारों को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 25 लेदर टूल्स किट प्रदान किए गए। इसके अलावा, पीएमईजीपी के तहत 1514 लाभार्थियों को लगभग 50 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित की गयी।

बिहार में अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने हाजीपुर में आयोग के केन्द्रीय पूनी संयंत्र का दौरा किया और सूत उत्पादन की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली।

माननीय अध्यक्ष के अथक प्रयासों की बदौलत देश भर के सभी 'केन्द्रीय पूनी संयंत्र' का आधुनिकीकरण कार्य प्रगति पर है।

खादी कारीगर इस संयंत्र से पूनी प्राप्त करते हैं, जिसे वे चरखे का उपयोग करके सूत बनाते हैं। इसके बाद, इस धागे का उपयोग खादी कपड़े बनाने के लिए किया जाता है।

सेवापुरी, वाराणसी में आयोग की 698वीं बैठक आयोजित

30 जून, 2023: आयोग की 698वीं बैठक केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार की अध्यक्षता में सेवापुरी, वाराणसी में आयोजित की गई। बैठक में केवीआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विनीत कुमार, वित्तीय सलाहकार, श्री पंकज बोडखे और आयोग के सभी सदस्य शामिल हुए। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के "आत्मनिर्भर भारत" में वाराणसी एक महत्वपूर्ण 'मील का पत्थर' है। सेवापुरी में आयोग का 'मंथन शिविर' ग्रामीण भारत के साथ हमारे गहरे जुड़ाव को दर्शाता है, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता करता है।

आयोग के अध्यक्ष ने खादी ग्रामोद्याग गतिविधियों की समीक्षा के लिए झारखंड राज्य का दौरा किया

देवधर (झारखंड) 9 जुलाई, 2023: केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 9 जुलाई, 2023 को देवघर, झारखंड में आयोजित 'खादी संवाद' कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

झारखंड में देवघर की अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने संथाल परगना ग्रामोद्योग समिति, देवघर संस्था के 'भवन' का दौरा किया और खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों के बारे में जानकारी ली। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने उल्लेख किया कि खादी और ग्रामोद्योग उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी हैं और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केवीआईसी उच्चतम गुणवत्ता के उत्पाद विपणन के लिए प्रतिबद्ध है।

देवघर, झारखंड में अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के माननीय अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने पीएमईजीपी इकाई "मैसर्स जय शिव स्नैक्स" का दौरा किया, जिसे पीएमईजीपी योजना के तहत स्थापित किया गया था। ये तस्वीरें वास्तव में 'आत्मनिर्भर भारत' का सार दर्शाती हैं।

हाथ से बने खादी के राष्ट्रीय झंडे

गृह मंत्रालय ने आदेश संख्या 02/01/2020- सार्वजनिक (भाग-III) दिनांक 30.12.2021 से भारतीय झंडा संहिता, 2002 में संशोधन किया है, जिसके तहत "भारत का राष्ट्रीय ध्वज हाथ से काते गए और हाथ से बुने या मशीन से बने, कपास / पॉलिएस्टर / ऊन / रेशम / खादी बंटिंग से बना होगा।"

इसके अलावा, आधिकारिक प्रदर्शन के लिए दिशानिर्देशों के अनुसार, "आधिकारिक प्रदर्शन के लिए सभी अवसरों पर, झंडा केवल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित विनिर्देशों के अनुरूप होगा और उनके मानक चिह्न वाले ध्वज का उपयोग किया जाएगा।"

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से फहराया जाने वाला राष्ट्रीय ध्वज आयुध वस्त्र फैक्टरी, शाहजहांपुर द्वारा निर्मित एक रेशमी झंडा है, जो झंडा संहिता के अनुरूप है।

सार्वजनिक/सरकारी विभागों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय मानक-I (आईएस-I) राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण के लिए बीआईएस लाइसेंस रखने वाले कुल 4 खादी संस्थान हैं। आईएस-I राष्ट्रीय ध्वज बनाने वाली खादी संस्थाओं के नाम इस प्रकार हैं:

1.कर्नाटक खादी ग्रामोद्योग संयुक्त संघ फेडरेशन, हुबली, कर्नाटक
2.मध्य भारत खादी संघ, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
3.खादी डायर्स एंड प्रिंटर्स, बोरीवली, महाराष्ट्र
4.धारवाड़ तालुक गरग क्षेत्रीय सेवा संघ, कर्नाटक

साभारः प्रेस इंफार्मेशन ब्यूरो

खादी उत्पादन पर मूल्य वृद्धि का प्रभाव

एमएसएमई मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के विभागीय सेंट्रल स्लिवर प्लांट्स (सीएसपी) के माध्यम से, केवल भारतीय कपास निगम (सीसीआई) से कपास खरीद रहा है। केवीआईसी को सितंबर 2021 के बाद से कच्चे माल (कपास) की कीमतों में वृद्धि की जानकारी है। कपड़े की लागत को बनाए रखने के लिए, जिससे बिक्री लक्ष्य प्राप्त हो सके, उत्पादित कच्चे माल (कपास) और खादी कपड़े की कीमत में वृद्धि का अंतर, 31.03.2022 तक संयंत्र द्वारा उत्पादित लागत अर्थात रु. 227/किग्रा. स्लिवर/रोविंग के संशोधन के बिना, विभागीय केंद्रीय स्लिवर संयंत्रों के पास उपलब्ध मूल्य उतार-चढ़ाव निधि से पूरा किया जाता है।

इसके अलावा, जैसे ही बाजार में कपास की लागत बढ़ी, केवीआईसी को 01.04.2022 से प्रभावी स्लिवर/रोविंग की लागत को रु. 385/किग्रा. संशोधित करना पड़ा। इसके बाद, कपास की लागत में काफी कमी आई है और 01.04.2022 की तुलना में 01.04.2023 से कपास की लागत में 265/किग्रा. से लगभग 40% की कमी आई है। केवीआईसी द्वारा समय पर उठाए गए ऐसे उपायों के कारण, खादी संस्थाओं को कच्चे माल की मांग और आपूर्ति को अप्रभावित रखा गया है, जिसके परिणामस्वरूप खादी संस्थाओं द्वारा निर्बाध उत्पादन प्रदर्शन किया जा रहा है।

सूती पूनी पर लागू वर्तमान पांच प्रतिशत जीएसटी से छूट देने का ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नहीं है। कम उत्पादन के कारण खादी संस्थाएं बंद नहीं हुई हैं।

भारत सरकार, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के माध्यम से, केवीआईसी को मजबूत करने के लिए निम्नलिखित कदम उठा रही है:

i. खादी मार्क को बढ़ावा देना और गुणवत्ता और स्थिरता के आधार पर खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) उत्पादों के लिए विशेष पहचान बनाना।

ii. वर्कशेड योजना के तहत व्यक्तिगत वर्कशेड के निर्माण के लिए 1,20,000/- रु. एवं खादी श्रमिकों की कामकाजी स्थिति में सुधार के लिए ग्रुप वर्कशेड के निर्माण के लिए प्रति कारीगर 80,000/- रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

iii. मौजूदा कमजोर खादी संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के तहत खादी संस्थाओं को पूंजीगत व्यय और कार्यशील पूंजी के लिए 15.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

iv. कारीगरों की आय बढ़ाने के लिए, केवीआईसी ने 01.04.2023 से 7.50/- रु. प्रति हैंक से 10.00 रुपये प्रति हैंक कताई मजदूरी से बढ़ा दी है।

v. रोविंग लागत को कम करने के लिए गुणवत्ता में सुधार और उत्पादकता बढ़ाने के लिए, टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन के परामर्श से सेंट्रल स्लिवर प्लांट्स का नवीनीकरण/आधुनिकीकरण किया गया है।

साभारः प्रेस इंफार्मेशन ब्यूरो

Khadi India

पर्यावरण के अनुकूल खादी ग्रामोद्योगी उत्पाद

"पर्यावरण के अनुकूल", "प्रकृति के समीप"
"पुनः बुनियादी आधार की ओर",
"प्राकृतिक का प्रचलन", आदि गुणवाचक शब्द
खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों के लिए नये नहीं हैं
बल्कि इनके साथ प्राकृतिक रुप से जुड़े हैं।
चयन करने के लिए कलात्मक वस्तुओं
की लम्बी श्रेणी है। खूबसूरत, विशिष्ट,
पारंपरिक और उपयोगी होने के साथ ही
उपभोक्ता वस्तुएं शुध्द, प्रामाणिक और पोषक हैं।
गुणवत्ता उत्पादन न कि अधिक उत्पादन
खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
विशिष्टता है और इसलिए देश-विदेश में
अच्छी गुणवत्ता, स्वस्थ एवं पोषक वस्तुएं
चाहने वालों की पहली पसंद है।

अपने नजदीकी खादी भवन /भंडार में अवश्य पधारें।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),मुंबई - 400056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

Follow us on : /kvicindia